निपुण भारत मिशन व एफ. एल. एन

NEP, 2020 के कुछ मुख्य बिंदु

NEP, 2020 के अनुसार

- पूरे देश भर में 5 करोड़ से अधिक बच्चों ने बुनियादी कौशल प्राप्त नहीं कर पाए हैं ।
- बुनियादी साक्षरता और संख्या ज्ञान हासिल करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए । बाकी की शिक्षा नीति तभी प्रासंगिक होगी जब बच्चे ये बुनियादी कौशल हासिल करें ।

निपुण भारत मिशन से परिचय

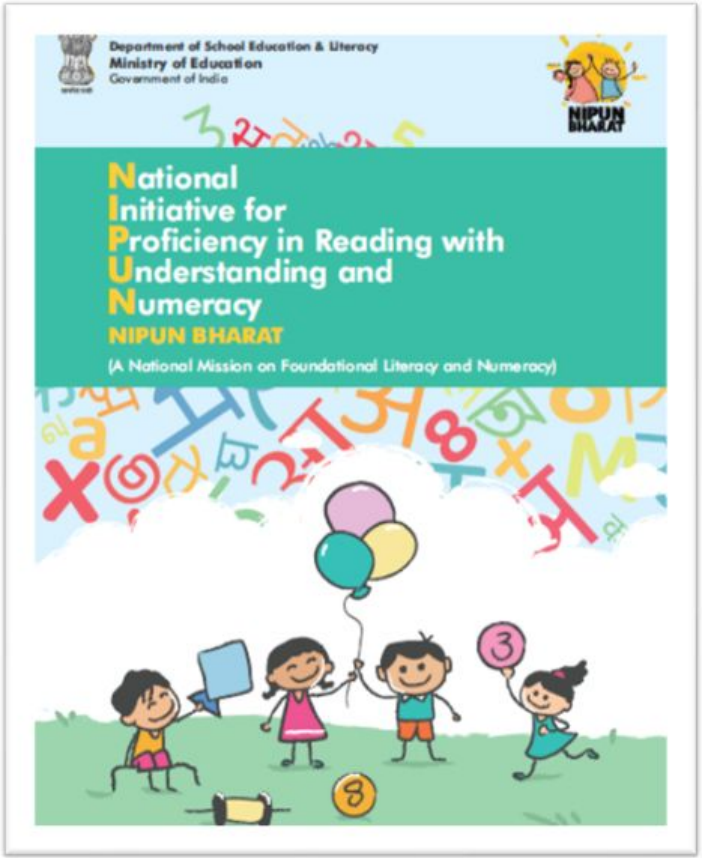

NIPUN BHARAT

National Initiative for Proficiency in Reading with Understanding and Numeracy

बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान का राष्ट्रीय मिशन

समग्र विकास का उद्देश्य

मिशन में बच्चों के समग्र विकास पर ध्यान केंद्रित किया गया है । इसलिए, विकास के सभी क्षेत्रों से जुड़ी दक्षताओं के लिए सीखने के प्रतिफल दिए गए हैं ।

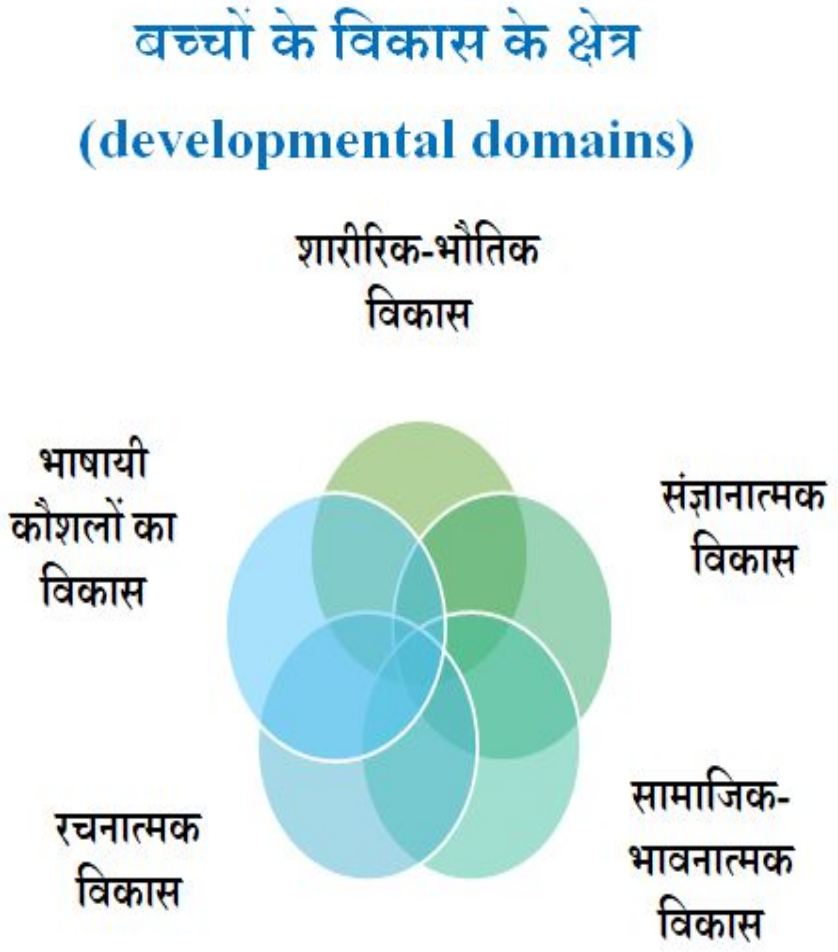

निपुण भारत मिशन का परिचय

- इस मिशन का उद्देश्य एक सक्षम परिवेश का निर्माण करना है ताकि **2026-27 तक** कक्षा 3 की समाप्ति तक प्रत्येक बच्चा मूलभूत साक्षरता और संख्या ज्ञान प्राप्त कर ले ।
- यह मिशन **3 से 9 वर्ष तक के बच्चों यानी प्रारंभिक बाल्यावस्था से लेकर कक्षा 3** तक के बच्चों पर केंद्रित है।
- इस मिशन की सफलता के लिए आवश्यक है कि **सभी स्तरों पर, शुरुआती कक्षाओं से जुड़े सभी लोग इस पर मिलकर काम करें ।**

कक्षा 3 तक आधारभूत शिक्षा में सम्पूर्ण उपलब्धि पाना स्कूली शिक्षा की सर्वोच्च प्राथमिकता होगी

जो बच्चे पीछे रह जाते हैं वो पीछे छूट जाते हैं

कक्षा 3 एक निर्णायक बिंदु है जहाँ यह उम्मीद की जाती है कि बच्चे इस बिंदु तक "पढ़ना सीख" जायेंगे जिससे वो आगे "पढ़ कर सीख पाएंगे"

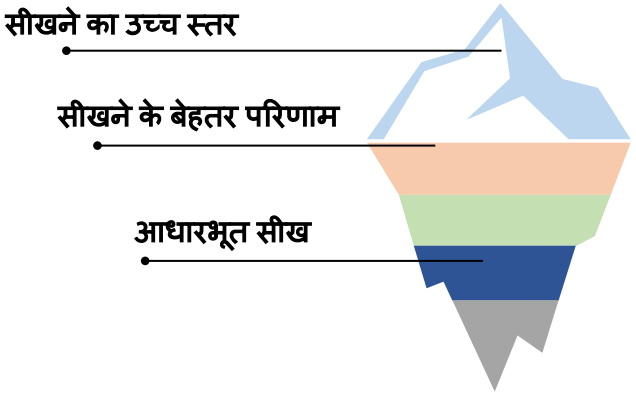

निपुण भारत अभियान का लक्ष्य

2026-27 तक कक्षा 3 तक प्रत्येक बच्चा आधारभूत साक्षरता और संख्या ज्ञान प्राप्त कर सकेगा

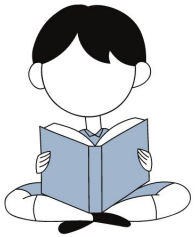

समझ के साथ पढ़ना

लिखना

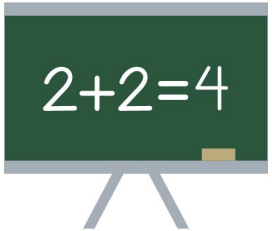

बेसिक गणना के काम

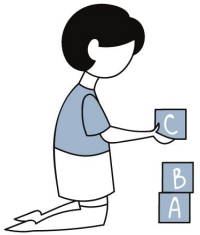

जीवन के बुनियादी कौशल

निपुण भारत मिशन: उद्देश्य

3 बच्चों को संख्या, माप और आकार के क्षेत्र को तर्क के साथ समझने और उन्हें गणना और समस्या के समाधान में स्वतंत्र बनाना ।

4 बच्चों की परिचित/घर/मातृभाषा (भाषाओं) में शिक्षण सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित करना।

5 शिक्षकों, प्रधानाध्यापकों, और शिक्षा प्रशासकों का क्षमता निर्माण ।

2 बच्चों को प्रेरित, स्वतंत्र, समझ के साथ पढ़ने लिखने में संलग्न और लिखने और पढ़ने के स्थायी कौशल वाला बनाना ।

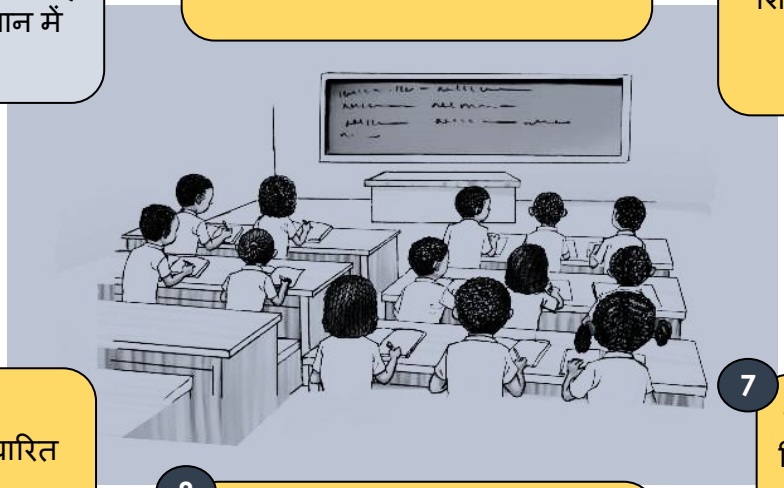

6 आजीवन सीखने की एक मजबूत नींव बनाना।

1 खेल, खोज और गतिविधि-आधारित शिक्षाशास्त्र

7 पोर्टफोलियो, समूह और मिल जुल कर किये कार्य, परियोजना कार्य, प्रश्नोत्तरी, रोल प्ले, खेल, मौखिक प्रस्तुतीकरण, छोटे टेस्ट आदि के माध्यम से सीखना ।

8 सभी विद्यार्थियों के सीखने के स्तर की ट्रैकिंग सुनिश्चित करना।

बुनियादी कौशल क्यों ज़रूरी हैं?

- सभी तरह के सीखने व एक बेहतर जीवन की नींव प्रदान करते हैं ।
- बुनियादी कौशलों में महारत आगे की कक्षाओं में अकादमिक उपलब्धि के लिए आवश्यक हैं ।
- बच्चों के मस्तिष्क का लगभग 85% विकास 6 वर्ष की उम्र तक हो जाता है । इसलिए शुरुआती वर्ष सीखने के लिए सबसे अधिक महत्वपूर्ण हैं ।
- जो बच्चे उचित समय पर पर बुनियादी कौशल नहीं सीख पाते, वे आगे चलकर भी सीखने में पीछे रहते हैं ।

बुनियादी साक्षरता क्या है ?

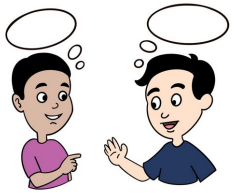

मौखिक भाषा विकास

ध्वनि जागरूकता व डिकोडिंग

पठन

लेखन

मौखिक भाषा का विकास

इसमें शामिल है सुनकर बेहतर समझना, मौखिक शब्दावली और बातचीत का बढ़ा हुआ कौशल। मौखिक भाषा के अनुभव पढ़ने और लिखने के कौशल को विकसित करने के लिए महत्वपूर्ण हैं।

डिकोडिंग

आवाज और प्रतीकों के बीच के सम्बन्ध के आधार पर लिखे हुए शब्दों **का** अर्थ निकालना इसमें शामिल है, तथा शब्द पहचानना ।

धाराप्रवाह पढ़ना

यह पाठ को सटीकता, गति (ऑटोमॅटिकली) भाव के प्रदर्शन (दृश्य) और समझ के साथ पढ़ने की क्षमता को बताता है, यह बच्चों को शब्दों से अर्थ निकालने की क्षमता देता है। कई बच्चे अक्षरों को पहचानते हैं, लेकिन उन्हें एक-एक करके बड़ी मेहनत से पढ़ते हैं।

समझबूझ कर पढ़ना

एक पाठ को पढ़ कर अर्थ बनाना और इसके बारे में तर्कपूर्ण ढंग से सोचना। इस क्षेत्र में पाठ को समझने और उनसे जानकारी प्राप्त करने के साथ पाठ की व्याख्या करने की दक्षतायें आती हैं।

लिखना

इस क्षेत्र में अक्षर और शब्द लिखने की दक्षताओं के साथ-साथ अभिव्यक्ति के लिए लिखने की क्षमता भी शामिल हैं।

बुनियादी संख्या ज्ञान क्या है ?

संख्या पूर्व अवधारणाएँ

संख्या ज्ञान व संक्रियाएँ

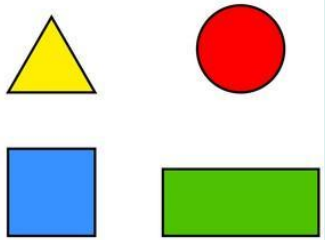

आकृतियाँ व स्थानिक समझ

मापन

बुनियादी संख्या ज्ञान क्या है ?

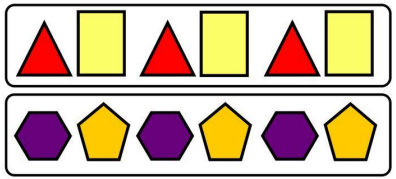

पैटर्न

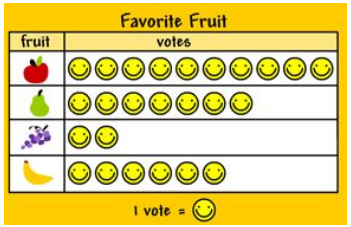

आँकड़ों को व्यवस्थित करना

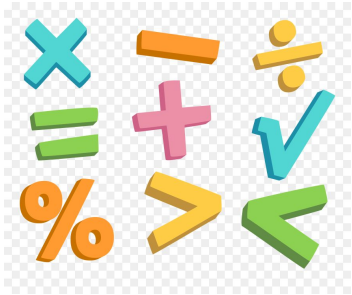

गणितीय संप्रेषण

गणितीय सोच व कौशल

बच्चों की कक्षा एक के लिए तैयारी
कक्षा एक में प्रथम तीन माह: विद्या प्रवेश मॉड्यूल

क्यों?? बच्चे के दिमाग का 85% हिस्सा 6 साल की उम्र से पहले विकसित हो जाता है

NEP-2020 ने NCERT द्वारा सभी कक्षा 1 के नव प्रवेशी विद्यार्थियों के लिए '3-महीने का प्ले-आधारित' स्कूल तैयारी मॉड्यूल 'के विकास की सिफारिश की है, यह सुनिश्चित करने के लिए कि एक अंतरिम उपाय के रूप में कि गुणवत्तापूर्ण पूर्वस्कूली शिक्षा का सार्वभौमिक प्रावधान प्राप्त होने तक सभी बच्चे स्कूल के लिए तैयार हैं ।

विद्या प्रवेश मॉड्यूल अनिवार्य रूप से कक्षा एक की शुरुआत में लगभग 12 सप्ताह का विकासात्मक रूप से उपयुक्त निर्देश है जिसे बच्चे की पूर्व-साक्षरता, पूर्व-संख्यात्मकता, संज्ञानात्मक और सामाजिक कौशल को बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

- इस मॉड्यूल में अक्षर, ध्वनियों, शब्दों, रंगों, आकृतियों और संख्याओं के से संबंधित गतिविधियों और कार्यपुस्तिकाएं शामिल हैं ।

एनसीईआरटी के 3 महीने का खेल आधारित 'स्कूल तैयारी मॉड्यूल' के आधार पर एससीईआरटी द्वारा 'स्कूल रेडीनेस/विद्या प्रवेश पैकेज' विकसित किया है।

निपुण भारत मिशन: लक्ष्य सूची

मिशन के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए **सम्पूर्ण साक्षरता और संख्या ज्ञान** के टारगेट या लक्ष्य बालवाटिका से शुरू होकर कक्षा तीन तक के लिए निर्धारित किए गए हैं । इसमें प्रत्येक राज्य/संघ तक प्राप्त किए जाने वाले वर्षवार लक्ष्य शामिल होंगे ।

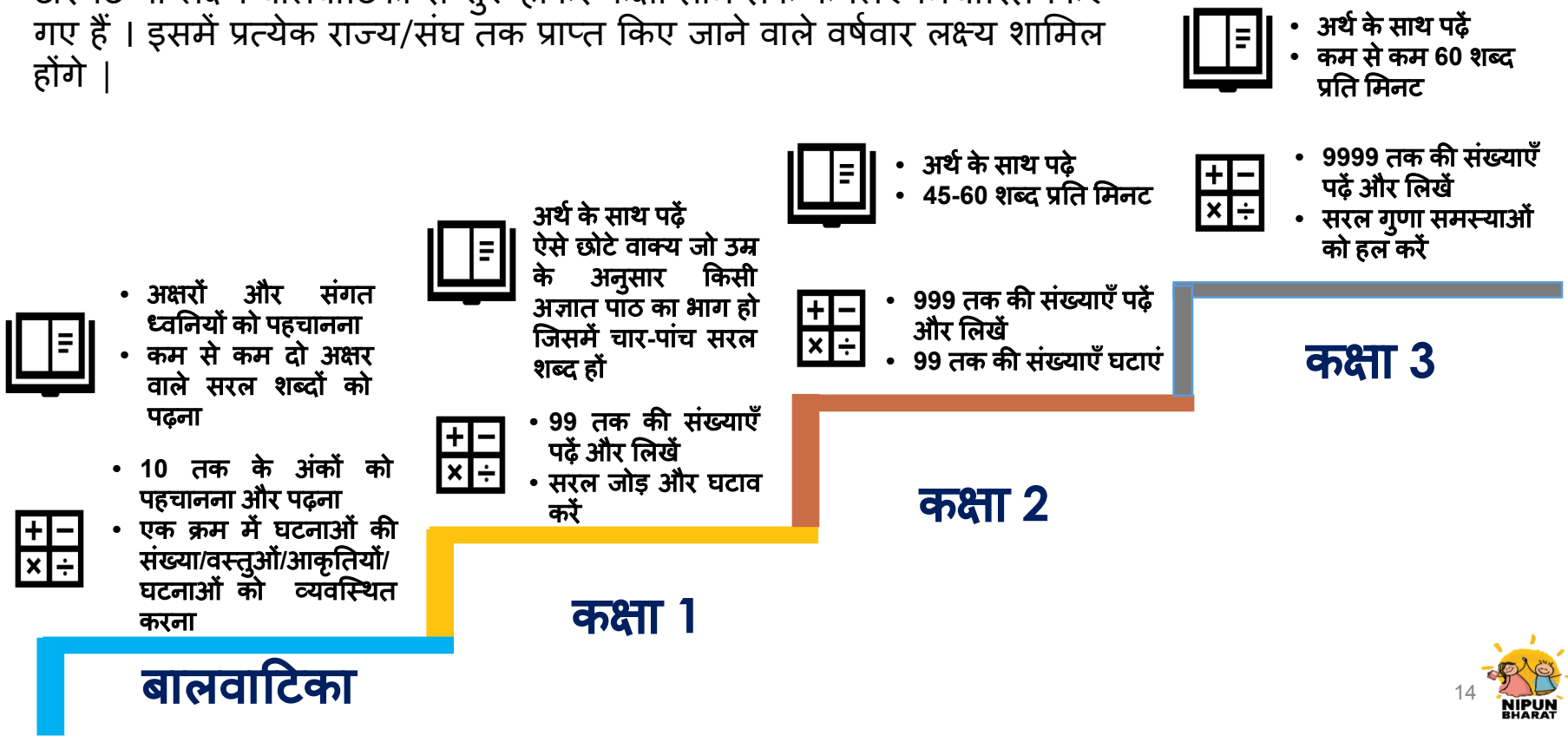

Thank You